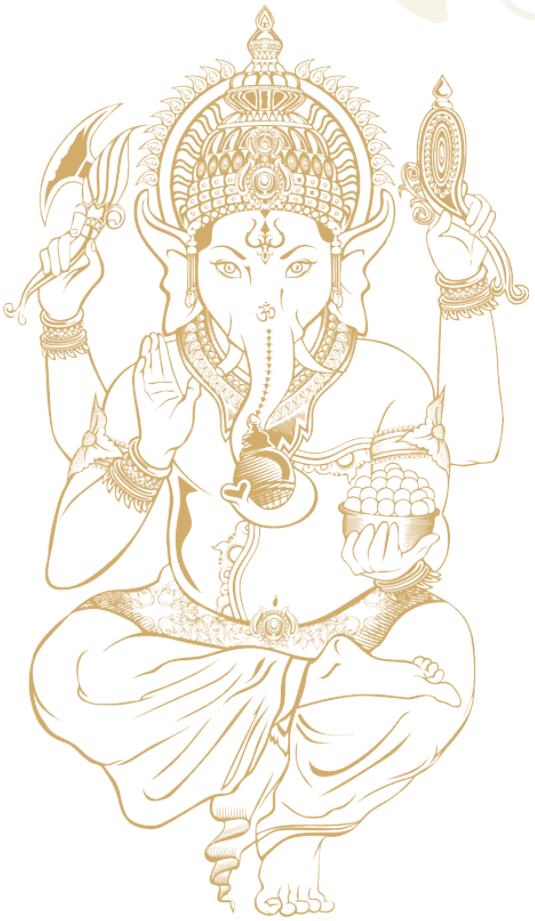

????? ????

30 Apr 1989

07:02 PM

Bilaspur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121580306

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/04/1989**
दिन	रविवार
जन्म समय	**19:02:00 घंटे**
इष्ट	33:26:23 घटी
स्थान	**Bilaspur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:18:00 उत्तर
रेखांश	76:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:39:12 घंटे
वेलान्तर	00:02:47 घंटे
साम्पातिक काल	09:13:05 घंटे
सूर्योदय	05:39:26 घंटे
सूर्यास्त	19:01:09 घंटे
दिनमान	13:21:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:27:56 मेष
लग्न के अंश	17:29:20 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ब्रह्म
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:29:20	303:12:46	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
सूर्य			मेष	16:27:56	00:58:16	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			कुंभ	08:20:20	14:09:13	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			मिथु	07:08:15	00:37:05	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध			वृष	07:03:32	01:00:57	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
गुरु			वृष	15:44:44	00:13:04	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	23:06:04	01:14:00	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि	व		धनु	20:10:15	00:00:44	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
राहु			कुंभ	08:42:24	00:00:01	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु			सिंह	08:42:24	00:00:01	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	11:26:11	00:01:02	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
नेप	व		धनु	18:36:02	00:00:32	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	20:11:42	00:01:41	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	22:06:04	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:36

लग्न-चलित

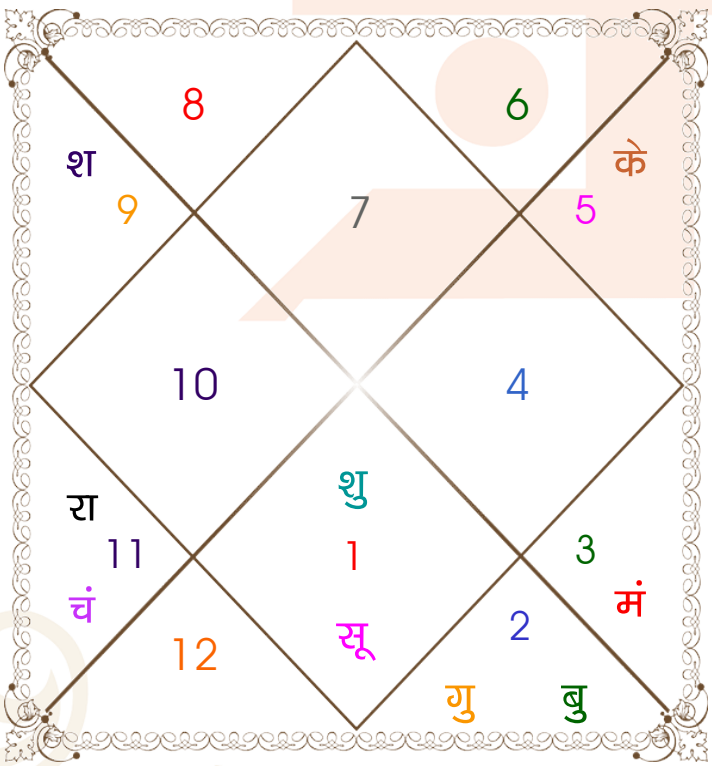

चन्द्र कुंडली

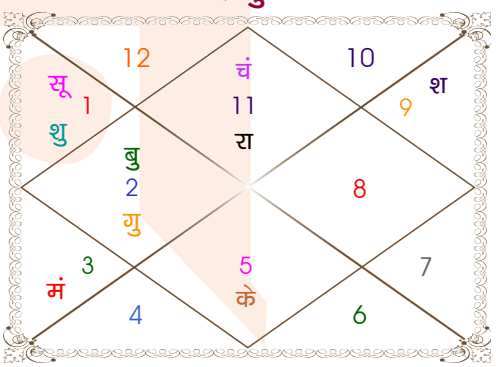

नवमांश कुंडली

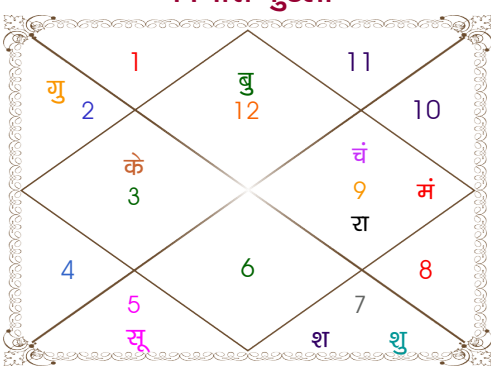

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 15 वर्ष 8 मास 27 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/04/1989		26/01/2005		26/01/2021		27/01/2040		26/01/2057	
26/01/2005		26/01/2021		27/01/2040		26/01/2057		27/01/2064	
राहु	09/10/1989	गुरु	16/03/2007	शनि	30/01/2024	बुध	25/06/2042	केतु	24/06/2057
गुरु	03/03/1992	शनि	27/09/2009	बुध	09/10/2026	केतु	22/06/2043	शुक्र	24/08/2058
शनि	08/01/1995	बुध	03/01/2012	केतु	18/11/2027	शुक्र	22/04/2046	सूर्य	30/12/2058
बुध	28/07/1997	केतु	08/12/2012	शुक्र	18/01/2031	सूर्य	26/02/2047	चंद्र	31/07/2059
केतु	15/08/1998	शुक्र	09/08/2015	सूर्य	31/12/2031	चंद्र	28/07/2048	मंगल	28/12/2059
शुक्र	15/08/2001	सूर्य	28/05/2016	चंद्र	31/07/2033	मंगल	25/07/2049	राहु	14/01/2061
सूर्य	10/07/2002	चंद्र	27/09/2017	मंगल	09/09/2034	राहु	11/02/2052	गुरु	21/12/2061
चंद्र	09/01/2004	मंगल	03/09/2018	राहु	16/07/2037	गुरु	19/05/2054	शनि	30/01/2063
मंगल	26/01/2005	राहु	26/01/2021	गुरु	27/01/2040	शनि	26/01/2057	बुध	27/01/2064

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/01/2064		27/01/2084		26/01/2090		27/01/2100		28/01/2107	
27/01/2084		26/01/2090		27/01/2100		28/01/2107		00/00/0000	
शुक्र	28/05/2067	सूर्य	16/05/2084	चंद्र	27/11/2090	मंगल	25/06/2100	राहु	01/05/2109
सूर्य	28/05/2068	चंद्र	14/11/2084	मंगल	28/06/2091	राहु	14/07/2101		00/00/0000
चंद्र	26/01/2070	मंगल	22/03/2085	राहु	27/12/2092	गुरु	20/06/2102		00/00/0000
मंगल	29/03/2071	राहु	14/02/2086	गुरु	28/04/2094	शनि	29/07/2103		00/00/0000
राहु	28/03/2074	गुरु	03/12/2086	शनि	27/11/2095	बुध	26/07/2104		00/00/0000
गुरु	26/11/2076	शनि	15/11/2087	बुध	28/04/2097	केतु	22/12/2104		00/00/0000
शनि	27/01/2080	बुध	20/09/2088	केतु	27/11/2097	शुक्र	21/02/2106		00/00/0000
बुध	27/11/2082	केतु	26/01/2089	शुक्र	28/07/2099	सूर्य	29/06/2106		00/00/0000
केतु	27/01/2084	शुक्र	26/01/2090	सूर्य	27/01/2100	चंद्र	28/01/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 15 वर्ष 8 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।